Hindi Murli Quiz 29-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **आज की धारणा पर आधारित इस प्रश्न का उत्तर सभी सही पॉइंट्स चयन करके करें --**

A. बहुत मीठा बनना है ।
B. देही- अभिमानी बनने की पूरी कोशिश करनी है ।
C. योग ही सेफ्टी के लिए ढाल है इसलिए योगबल जमा करना है ।
D. स्व –उन्नति व सेवा में बैलेंस रखना है ।
E. विजय माला का दाना बनने के लिए बहुत अच्छा पुरुषार्थ करना है ।

Q.2) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको आपस में मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	यहाँ पुरानी चीज़ का मान बहुत है,खोद कर निकालते हैं ।	1	पहला नम्बर तो श्रीकृष्ण ही आते हैं ना । बाकी सागर की बात नही है ।
B	बुद्धि बाप के साथ होगी तो फिर अन्त मति सो गति हो जायेगी,	2	इसलिए पढाई हमेशा ब्रह्मचर्य मे होती है ।
C	गीता से ब्राह्यण कुल भी बनता है,	3	इसके लिए बहुत अच्छा पुरुषार्थ करना है ।
D	पीछे दिखाते हैं-सागर मे पीपल के पत्ते पर कृष्ण आते है,	4	सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी कुल भी बनता है ।
E	अगर कोई से दिल लगी हुई होगी तो पढ़ाई के समय भी बुद्धि वहाँ जायेगी,	5	सतयुग में थोड़े ही पुरानी चीजें बैठ ढूंढते हैं । वहाँ पेट भरा हुआ रहता है ।

Q.3) **स्लोगन के आधार एक सही शब्द से रिक्त स्थान भर कर इस एक्सरसाइज को पूरा करें -------**
"न्यारे और ----------होकर कर्म में आना-यही बन्धनमुक्त स्थिति है ।"

A. अधिकारी
B. साक्षी
C. प्यारे
D. सावधान

Q.4) **यह मैचिंग एक्सरसाइज आज के वरदान पर आधारित है,बहुत ध्यान से मिलाएं --**

	Choice		Match
A	संगमयुग पर बाप द्वारा सभी बच्चों को,	1	डबल अंडरलाइन लगाओ ।
B	जो बच्चे सदा एवरहेल्दी, वेल्दी और हैप्पी रहते है,	2	उनका हर्षितमुख चेहरा नाउम्मीदी बच्चों में जीने का उमंग-उत्साह पैदा करता है ।
C	अभी मनुष्य जिंदा होते भी नाउम्मीदी की चिता पर बैठे हुए हैं,	3	यह तीनो प्राप्तियाँ हमारा जन्म सिद्ध अधिकार हैं ।
D	सदा स्मृति मे रहे कि,	4	अब ऐसी आत्माओं को मरजीवा बनाओ ।
E	तीनों [एवरहेल्दी, वेल्दी और हैप्पी रहना] धारणाओं के लिए,	5	एवरहेल्दी, वेल्दी और हैप्पी रहने का त्रिमूर्ति वरदान प्राप्त होता है ।

Q.5) **जो अच्छी रीति पढ़ते हैं, उन्हो को निश्चय रहेगा हम जाकर भविष्य मे प्रिन्स बनूँगा । हीरे-जवाहरो के महल होंगे । यह निश्चय भी सर्विसएबुल बच्चों को ही होगा । जो कम पद पाने वाले होगे, उनको तो कभी ऐसे-ऐसे ख्याल आयेंगे भी नही कि हम महल आदि कैसे बनायेंगे । जो बहुत सर्विस करेंगे वही महलो में जायेंगे ना । दास-दासियाँ तो तैयार मिलेंगे ।**

A. False
B. True

Q.6) **वाक्यों को उनके अर्थ के अनुसार ही मिलाएं --**

	Choice		Match
A	सभी आत्मायें तुम्हारे पास खींचती हुई आयेंगी,	1	कैसे विनाश होगा, कैसे सजाई होगी, कैसे महल बनायेंगे?
B	जब सभी आत्मायें परमधाम से आजाती हैं,बाकी थोड़े रहते हैं,	2	तब बाप आते हैं ।

C	विनाश शुरू होगा तो तुमको पास्ट की सारी हिस्ट्री मालूम होगी,	3	एक्यूरेट हिसाब निकाल नहीं सकेंगे ।
D	तुम्हारी बुद्धि मे तो पास्ट, प्रेजेंट,फ्यूचर सब है,	4	फिर सतयुग में जायेंगे तो पास्ट की हिस्ट्री कुछ भी याद नही रहेगी ।
E	वृद्धि होते-होते अनगिनत ब्राह्मण हो जायेंगे,	5	पवित्रता और योग की कशिश के आधार पर।

Q.7) **सारी दुनिया में मनुष्यों की बुद्धि में कृष्ण भगवानुवाच है । कृष्ण थोड़े ही कहेंगे - मैं ऐसा हूँ, मेरे को कोई जान नही सकते । कृष्ण को तो सब जान लेवें । ऐसे भी नही है कि कृष्ण के तन से भगवान कहते हैं । नहीं । कृष्ण तो होता ही है सतयुग मे । वहाँ कैसे भगवान आयेगे? भगवान तो आते ही है पुरुषोत्तम सगमयुग पर ।**

A. True
B. False

Q.8) **आज के विशेष होमवर्क पर आधारित इस एक्सरसाइज में एक सही उत्तर से सभी रिक्त स्थान भरें -----**
मन की ----------ही एकरस स्थिति का अनुभव करायेगी । ----------की शक्ति द्वारा अव्यक्त फरिश्ता स्थिति का सहज अनुभव कर सकेंगे । ----------अर्थात् मन को जहाँ चाहो, जैसे चाहो, जितना समय चाहो उतना समय एकाग्र कर लो ।

A. चन्चलता
B. स्वच्छता
C. एकाग्रता
D. सरलता

Q.9) **तुम ----------में होंगे, शिवबाबा को याद करते रहेंगे तो तुमको कोई भी चमाट आदि मार नही सकेंगे । ---------- ही ढाल है । कोई कुछ कर भी नही सकेगे । अगर कोई चोट खाते है तो जरूर देह- अभिमान है । देही- अभिमानी को चोट कोई मार न सके ।**

A. योगबल
B. सेवा
C. स्वमान
D. ऑफिस

Q.10) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	जितना योग मे रहेंगे उतना कशिश होगी,	1	विजय पा ली फिर न पुरुषार्थ रहेगा,न माया रहेगी ।
B	साकार कृष्ण को याद करना बहुत सहज है,	2	तुमने इस वर्ल्ड मे 84 का चक्र लगाया है ।
C	माया के तूफ़ान भी पिछाड़ी तक चलेंगे,	3	तो पुरुषार्थ भी बहुत चाहिए ।
D	जैसे वास्कोडिगामा के लिए कहते हैं -वर्ल्ड का चक्र लगाया,	4	निराकार बाप कहते हैं मामेकम याद करो-इस बात पर ही सारा मदार है ।
E	विजय माला का दाना बनना है,	5	बाप भी खीचते हैं ना ।